**01-03- 2021**

# आरएंडडी सेल स्थापित कर, अनुसंधान पर खर्च करें चीनी मिलें

कानपुर, 28 फरवरी। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) में आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर प्रायोगिक चीनी मिल में एक कार्यशाला को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहा कि चीनी मिल में गन्ने के रस निकलने से लेकर चीनी के क्रिस्टल बनाने तक जो प्रक्रिया अपनाई जाती है, वह विज्ञान के मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित है। इसलिए नए शोध जरूरी है। उन्होंने कहा कि चीनी मिलों को अपने कुल बजट का एक हिस्सा अनुसंधान पर व्यय करना चाहिए और आरएंडडी (रिसर्च एंड डेवलपमेंट) सेल की स्थापना करनी चाहिए। जिससे वे बहु उत्पाद, मूल्यवर्धित उत्पाद व तकनीक दक्षता में विकास कर सकें। कार्यक्रम में अजय अवस्थी ने चीनी निर्माण के दौरान ऊर्जा की खपत को कम करने के लिए नई तकनीक विकसित करना जरूरी है। उन्होंने कहाकि हीट रिकवरी के माध्यम से चीनी मिलों में स्टीम की खपत को 40 फीसदी से घटाकर 30 फीसदी पर लाया जा सकता है, जो तकनीकी दृष्टि से काफी सफल है।

छात्रों को जानकारी देते निदेशक प्रो नरेन्द्र मोहन।

# 'नई तकनीकों के विकास को आगे आयें विद्यार्थी'

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान स्थित प्रायोगिक चीनी मिल में रविवार को ' राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' पर आयोजित कार्यक्रम में संस्थान निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन ने छात्रों को आह्वान किया कि वे नयी तकनीकों के विकास में आगे आयें व इन तकनीकों को फार्म से फैक्ट्री तक पहुंचाने में अपना योगदान दें। प्रो.नरेन्द्र मोहन ने छात्रों से मूलभूत सिद्धांतों को ठीक से समझने की बात कही, ताकि उनको निर्माण प्रक्रिया व विभिन्न उपकरणों की कार्यविधि समझने में आसानी हो। उन्होंने कहा कि चीनी मिलों के लिए यह आवश्यक है कि वो अपने बजट का एक हिस्सा अनुसंधान पर व्यय करें व अनुसंधान-विकास सेल की स्थापना करें। संस्थान के तकनीकी अधिकारी अजय अवस्थी ने छात्रों को बताया कि हीट रिकवरी द्वारा चीनी मिलों में स्टीम की खपत को 40 से 30 फीसद तक लाया जा सकता है। संस्थान के ही वैभव शर्मा ने चीनी मिलों में चीनी निर्माण की लागत कम करने व गुणवत्ता सुधारने पर जोर दिया।

# चीनी उद्योग में और अनुसंधान की जरूरत

## एनएसआई में मनाया गया नेशनल साइंस डे

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) में रविवार को नेशनल साइंस डे मनाया गया। इस मौके पर इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि चीनी मिल में गन्ने का रस निकाले जाने से लेकर इसका क्रिस्टल बनाए जाने तक विभिन्न विज्ञान के सिद्धांतों पर आधारित तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। शर्करा के क्षेत्र में अभी और अनुसंधान किए जाने की जरूरत है। चीनी के विभिन्न वैल्यु ऐडेड उत्पादों की बाजार में मांग है।

प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने कहा कि चीनी मिलों के लिए जरूरी है कि वे अपनी आय का एक हिस्सा रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल की स्थापना पर खर्च करें। बहु उत्पाद, मूल्यवर्धित उत्पाद एवं तकनीकी दक्षता में विकास से ही चीनी उद्योग वैश्विक बाजार में चुनौतियों का सामना कर स्थायित्व प्राप्त कर सकता है। तकनीकी अधिकारी अजय अवस्थी ने छात्रों से चीनी बनाने के दौरान ऊर्जा की खपत कम करने के लिए नई तकनीक के विकसित करने पर जोर दिया। अन्य वक्ताओं ने चीनी बनाने की लागत कम करने पर जोर दिया।

### छात्रों ने प्रस्तुत किए मॉडल

कानपुर। शिक्षा सोपान आश्रम और एसजीएम-आईएपीटी अन्वेषिका संस्था की ओर से रविवार को सोपान आश्रम नानकारी में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विज्ञान मेला लगाया गया। छात्रों ने गणित व विज्ञान के विभिन्न मॉडल प्रस्तुत किए। उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व विधायक सतीश निगम ने किया। पद्मश्री डॉ. एचसी वर्मा मेले के मार्गदर्शक रहे। आकृति ने प्लास्टिक के पाइप में पानी भरकर ध्वनि के आवृत्ति के बारे में बताया। रंजीत कुमार और आलोक ने अखबार से टोपियां बनाना सिखाया। (संवाद)

### प्रतियोगिताओं में दिखाई प्रतिभा

कानपुर। बिठूर के बैकुंठपुर स्थित स्कॉलर मिशन स्कूल की तरफ से सुधांशु आश्रम परिसर में ऑल स्माइल फेस्ट का आयोजन किया गया। बच्चों ने अपनी पसंद के टैटू और कार्टून बनवाए। इसके अलावा भाषण, ड्राइंग, कलरिंग, टैटू मेकिंग आदि प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। प्रिंसिपल रीता सक्सेना ने कार्यक्रम की शुरुआत की। अंत में प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। (संवाद)

# चीनी मिलों में स्थापित करें रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

एनएसआई में रविवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर प्रायोगिक चीनी मिल में कार्यशाला हुई। निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहा कि चीनी मिल में गन्ने के रस निकलने से लेकर चीनी के क्रिस्टल बनाने तक जो प्रक्रिया अपनाई जाती है, वह विज्ञान के मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित है। इसलिए नए शोध जरूरी है। उन्होंने कहा कि चीनी मिलों को अपने कुल बजट का एक हिस्सा अनुसंधान पर खर्च करना चाहिए और रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल की स्थापना करनी चाहिए जिससे बहुउत्पाद, मूल्यवर्धित उत्पाद व तकनीक दक्षता में विकास कर सकें। तकनीकी अधिकारी अजय अवस्थी ने चीनी निर्माण के दौरान ऊर्जा की खपत को कम करने के लिए नई तकनीक विकसित करना जरूरी है। कहा, हीट रिकवरी के माध्यम से चीनी मिलों में स्टीम की खपत को 40 फीसदी से घटाकर 30 फीसदी पर लाया जा सकता है।